प्रेस विज्ञप्ति

मंडी के उपायुक्त ने आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के 'स्टार्ट अप एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम 2019' का शुभारंभ किया

मंडी, 14 फरवरी, 2019 : हिमाचल प्रदेश के पहले टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने 11 फरवरी 2019 को 'स्टार्ट अप एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम 2019' का शुभारंभ किया। प्रोग्राम का उद्घाटन मंडी के उपायुक्त श्री ऋग्वेद ठाकुर ने किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. टिमथी ए. गोंज़ाल्विस ने सभी 10 स्टार्टअप टीमों का स्वागत् किया और उन्हें संस्थान की शोध प्रयोगशालाओं और विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन का अधिक से अधिक लाभ लेने का प्रोत्साहन दिया।

2019 में आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने अपनी योजनाओं को लागू करने के प्रयास तेज कर दिए हैं जिसकी सराहना करते हुए आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. टिमथी ए. गोंज़ाल्विस ने कहा, ''आईआईटी मंडी और उद्यमियों के लिए आईआईटी मंडी कैटलिस्ट हर लिहाज से लाभदायक है। उद्यमियों को संस्थान के शिक्षकों, प्रयोगशालाओं और अत्याधुनिक संयंत्रों का लाभ मिलेगा। हम समाज के लिए उपयोगी तकनीक का विकास करना चाहते है जो हमेशा हमारी प्रतिबद्धताओं में एक रहा है और ऐसी तकनीक को जन–जन तक पहुंचाने का एक माध्यम स्टार्टअप हैं।''

मंडी के उपायुक्त श्री ऋग्वेद ठाकुर ने स्टार्टअप टीमों का स्वागत् करते हुए उन्हें नए उद्यम आरंभ करने के साहसिक कदम उठाने पर बधाई दी। उभरते उद्यमियों को मदद देने के लिए आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री ठाकुर ने बताया, ''युवा उद्यमियों का व्यवसाय के नए विचारों के संग हिमाचल आमंत्रित कर आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस प्रोग्राम की मदद से वे समुदाय, राज्य और देश के अन्य भागों के लिए व्यावहारिक समाधान देने के प्रयास में हैं।

उद्घाटन सत्र के बाद 'स्टार्टअप शोकेस' का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित गणमान्य लोग स्टार्टअप टीमों के प्रेजेंटेशन बूथ देखने गए और उनके नए विचारों एवं प्रोटोटाइप के बारे में दिलचस्पी के साथ पूरी जानकारी ली।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट अगले 3 वर्षों तक इन टीमों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के साथ आर्थिक सहयोग भी देगा। इस दौरान टीमें उनके विचारों को प्रोटोटाइप/ प्रोडक्ट का रूप देंगी। गौरतलब है कि कैटेलिस्ट मंडी शहर के मांडव कॉम्प्लेक्स में प्रतिभगी टीमों के लिए एक साथ कार्य करने और आवास की सुविधा देती है। प्रोग्राम में शामिल 10 स्टार्टअप में तीन एग्रो–टेक, 3 स्वच्छ ऊर्जा, एक कचरा प्रबंधन और अन्य आईओटी एवं ऑगमेंटेड वास्तविकता–आधारित व्यावसायिक समाधानों पर कार्य कर रहे हैं।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के 'स्टार्ट अप एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम 2019' के प्रतिभागी कुछ स्टार्टअप्स के परिचय :

1. **अजीदो :** यह कीड़ों से परेशान किसानों के लिए है जिन्हें रसायनों एवं जैव कीटनाशकों पर ज़्यादा खर्च करना होता है। अजीदो का प्रोडक्ट क्रॉप–डिफेंडर एक जैव कीटनाशक होगा जो पर्यावरण अनुकूल और सस्ता भी होगा।

2. **इनोवेशन क्वेस्ट** : ARaT 4 वर्ष से 14 वर्ष के ऐसे बच्चों के लिए एनिमेटेड टी–शर्ट है जो मोबाइल गेम खेलते के समय शरीर से एक्टिव नहीं रहते हैं। इसमें ऑगमेंटेड रियलीटी फीचर है। यह प्रोडक्ट बच्चों को शरीररिक रूप से सक्रिय रखेगा और जो इसे पहनेगा और जो कैमरे पर ध्यान देगा दोनों यह गेम खेल सकते/ गेम पर इंटरएक्ट/ सीखने का अनुभव साझा कर सकते हैं।

3. **इसकाल** : यह सेव के किसानों के लिए है जो सेवों की सफाई और अलग–अलग चुन कर रखने का काम हाथों से करते हैं। **इसकाल** में सेवों की सफाई और अलग–अलग चुन कर रखने की ऑटोमैटिक व्यवस्था है। इस मशीन की लागत बहुत कम है और यह पोर्टेबल है।

4. **एराइज़ मोटर्स** : यह ऑटोरिक्शा मालिकों के लिए है जिन्हें ईंधन और वाहन की देखभाल पर बहुत खर्च करना होता है। यह यूनिक प्रोडक्ट ईएलवी–800 एक इलैक्ट्रिक ऑटोरिक्शॉ होगा जो परिचालन के इन खर्चों को बहुत कम कर देगा।

5. **अतुविक** : यह हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण आबादी के लिए है जिसमें लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। अतुविक स्टोव खाना पकाने की स्वच्छ ऊर्जा और स्वस्थ परिवेश देने का किफ़ायती साधन होगा।

6. **ब्रह्मास्त्र** : यह उन वेंडरों के लिए मोबाइल प्लैटफार्म है जिनके लिए स्थानीय उत्पाद, निरंतर आपूर्ति, ऑफसीज़न आर्गेनिक, उच्च गुणवत्ता के उत्पाद हासिल करना कठिन होता है। यह उन्हें आसपास के स्थानीय उत्पादकों से जोड़ देगा।

7. **हाई फाइव इनोवेशन लैब** : हम वर्तमान एनर्जी मीटर को प्रीपेड मीटर में बदलने का किफायती, सक्षम और सटीक समाधान विकसित कर रहे हैं।

8. **वेस्ट ऑन व्हील्स** : यह नगर निगमों के लिए है जिन्हें कचरा जमा करने और अलग–अलग करने के लिए बहुत खर्च करना होता है। वेस्ट ऑन व्हील्स एक प्रॉसेसिंग यूनिट है जिसे कचरा जमा करने वाले ट्रक से जोड़ कर नगर निगम के ठोस कचरे को जहां से उठाया उसी जगह दो भागों – बायोडिग्रेडेबल और नॉन– बायोडिग्रेडेबल में अलग–अलग किया जा सकता है।

9. **सन नैविगेशन** : यातायात के लिए वाहन के इंतजार में समय व्यर्थ करने को विवश लोगों के लिए हमारा प्रोडक्ट 'वेहित्रा' एक मोबाइल ऐप और ट्रैकिंग डिवाइस है जो उन्हें बताएगा कि बस कहां है और इस तरह वे समय का बेहतर उपयोग कर पाएंगे।

10. **मोडी** : यह 'ई–रिक्शॉ' के लिए स्वापेबल लीथियम आयन बैट्री का विकास कर रहा है जो किफ़ायती और अधिक सक्षम होगा।

###

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

हिमालय की शिवालिक पर्वतमाला में अवस्थित आईआईटी मंडी सब के विकास और सामाजिक स्थायित्व की ओर अग्रसर भारत का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा, ज्ञान सृजन एवं इनोवेशन के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक बड़ा संस्थान है। जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,276 से अधिक विद्यार्थी, 104 फैकल्टी, 150 स्टाफ और रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए 70 करोड़ रु. से अधिक की फंडिंग बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के विद्यार्थियों में 274 पीएच.डी., 46 एम.एस. और 17 आई–पीएच.डी. के रिसर्च स्कॉलर हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या बढ़ कर 850 हो गई है जो उद्योग एवं शिक्षा जगत के साथ–साथ प्रशासन में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

संस्थान में 2018 में कुल 1280 विद्यार्थी थे और सन् 2029 तक इसे बढ़ा कर बी.टेक./ एम.टेक./एम.एससी. एवं एम.एस/पीएच.डी. के 5000 विद्यार्थी करने का लक्ष्य है। वर्तमान में कैम्पस में लगभग 80,000 वर्गमीटर पर कंस्ट्रक्शन का काम हो गया है और इसके अतिरिक्त 1,50,000 वर्गमीटर पर काम चल रहा है। आईआईटी मंडी एक पूर्ण आवासीय संस्थान है जिसके सभी विद्यार्थियों और 95 प्रतिशत शिक्षकों का कैम्पस के अंदर निवास है।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। स्थापना के केवल 9 सालों में संस्थान के कामंद स्थित कैम्पस में कई लैब और शोध केंद्र स्थापित किए गए हैं जिससे शोध का अभूतपूर्व परिवेश बन गया है। लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापित एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) में मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं जिनका लाभ दवा आपूर्ति, विद्युत, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं जीव वैज्ञानिक उपयोगों में होगा। सन् 2013 में गठन के समय से अब तक एएमआरसी ने 200 से अधिक शोध पत्रों के प्रकाशन में योगदान दिया है।

संस्थान में आपस में जुड़े विषयों के अध्ययन–अध्यापन का परिवेश है जो डिज़ाइन–ओरियंटेड है। बी. टेक. के पाठ्यक्रम में पहले साल से चौथे साल तक रीयल–वर्ल्ड टीम प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। समाज की जरूरतों के मद्देनजर टीम भावना से काम करने पर जोर दिया जाता है। आईआईटी मंडी के पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग मानवीकी है जो इसे समाज के अधिक करीब रखता है। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार पर कार्य जारी हैं।

आईआईटी मंडी की स्थापना 2016 में हुई। संस्थान का अपना तकनीक–व्यवसाय इनक्युबेटर कैटलिस्ट है जो हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर (टीबीआई) है। इसका मकसद आर्थिक और/ या समाजिक लाभ पर केंद्रित टेक्नोलॉजी–आधारित स्टार्ट–अप को इनक्युबेट करना है। आईआईटी मंडी का एक अन्य इनोवेटिव प्रोग्राम ईडब्ल्यूओके (इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली) इंटरनेट और सर्वव्यापी मोबाइल नेटवर्क का लाभ लेकर गांव की महिलाओं के कौशल प्रशिक्षण और ग्रामीण व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करता है और इसका लक्ष्य स्थानीय एवं वैश्विक ग्राहकों को सेवा प्रदान करना है।

Media contact for IIT Mandi:

IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications

Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Shoma Bhardwaj - Footprint Global Communications
Cell: 9899960763/ Email: shoma.bhardwaj@footprintglobal.com
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com